भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 3012 #

गुरूवार, 13 अगस्त, 2026/22 श्रावण, 1948 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

सतत पर्यटन प्रबंधन

3012 # श्री मिथलेश कुमार:
श्री सदानंद महालू शेट तानवड़े:
श्री शंभू शरण पटेल:
श्री नवीन जैन:
श्रीमती माया नारोलिया:
श्री केसरीदेवसिंह झाला:
डा. परमार जशवंतसिंह सालमसिंह:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने सतत पर्यटन को बढ़ावा देने और लोकप्रिय गंतव्यों पर बढ़ते पर्यटकों की संख्या से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए कोई उपाय किए हैं;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) विशिष्ट पर्यटन उत्पादों और कम ज्ञात गंतव्यों के विकास के माध्यम से पर्यटन के विविधीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए की गई पहलें क्या हैं;

(घ) क्या पर्यटन स्थलों पर पर्यावरण के अनुकूल सतत पर्यटन प्रथाओं, सामुदायिक भागीदारी और जिम्मेदार आगंतुक प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए कोई संस्थागत ढांचा स्थापित किया गया है; और

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): पर्यटन मंत्रालय विभिन्न पहलों के माध्यम से भारत का समग्र रूप से संवर्धन करता है। वर्तमान में चल रही अपनी गतिविधियों के अंतर्गत पर्यटन में विविधता लाने के लिए मंत्रालय विभिन्न पहलों के माध्यम से सतत पर्यटन, कम प्रसिद्ध स्थलों और विशिष्ट पर्यटन उत्पादों का नियमित रूप से संवर्धन करता है।

मंत्रालय द्वारा तैयार की गई और सभी राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को आवश्यक कार्रवाई के लिए परिचालित सतत पर्यटन हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति के दो प्रमुख स्तंभों में पर्यावरणीय स्थिरता और सामाजिक-सांस्कृतिक स्थिरता शामिल हैं। मंत्रालय ने पर्यटन क्षेत्र में स्थिरता को मुख्यधारा में लाने

और पर्यटकों एवं पर्यटन से जुड़े व्यवसायों द्वारा सतत पर्यटन संबंधी कार्यपद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु 'ट्रैवल फॉर लाइफ' नामक पहल भी शुरू की है।

राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों से प्राप्त प्रस्तावों/विस्तृत परियोजना रिपोर्टों के आधार पर और दिशानिर्देशों के अनुसार सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को केंद्र सरकार की योजनाओं के माध्यम से केन्द्रीय वित्तीय सहायता दी जा रही है।

स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) योजना का मुख्य उद्देश्य पर्यटक और गंतव्य-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए सतत और जिम्मेदार पर्यटन स्थलों का विकास करना है। यह योजना पर्यावरणीय स्थिरता, सामाजिक-सांस्कृतिक स्थिरता और आर्थिक स्थिरता सहित सतत पर्यटन के सिद्धांतों को अपनाने को प्रोत्साहित करती है। परियोजना प्रस्तावों में आगंतुक प्रबंधन और स्थानीय समुदाय की भागीदारी के लिए कार्यनीतियों को शामिल करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

'पर्यटन मित्र' और 'पर्यटन दीदी' नामक राष्ट्रीय जिम्मेदार पर्यटन पहल भी शुरू की गई है।

*****